हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 02 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 16 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

अग्निपथ पर चलेंगे अग्निवीर गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा एलान 8

प्रदेश में बदला मौसम, देहरादून समेत कई स्थानों पर हुई वर्षा

भीषण गर्मी से राहत मिली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम ने करवट बदल ली है। आज दिनभर चटख धूप खिलने के बाद शाम को ज्यादातर स्थानों पर बादलों ने डेरा डाल लिया था। चारधाम समेत ज्यादातर पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। जिससे भीषण गर्मी से राहत मिली। वहीं, देहरादून में रात झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार और शुक्रवार को देहरादून और नैनीताल समेत कई जिलों में भारी वर्षा हो सकती है।

केदारनाथ समेत पूरे जिले में बुधवार को दोपहर बाद झमाझम बारिश होने से मौसम काफी ठंडा हो गया। बारिश होने से यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से काफी हद तक राहत मिली है।

बुधवार को सुबह के समय केदारनाथ समेत जिले का मौसम साफ होने के साथ तेज धूप लगी रही। हालांकि, दोपहर बाद आसमान में बादल छाने के साथ ही तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई। दोपहर बाद केदारनाथ धाम में दो घंटे तक झमाझम बारिश शुरू हो गई। जिससे धाम का मौसम ठंडा हो गया।

वहीं, जिला मुख्यालय समेत पूरे जिले में बारिश होने से जहां मौसम ठंडा हो गया। लोगों ने भीषण गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने तीन दिन का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बारिश से पानी के सूख रहे स्रोतों को भी जीवन मिलेगा और पानी के संकट प्रभावित क्षेत्रों को निजात मिलेगी।

चमोली जिले में मौसम का मिजाज बनता बिगड़ता नजर आ रहा है। जहां दिनभर तेज धूप खिल रही है, वहीं शाम होते होते बारिश शुरू हो जा रही है। जिसके चलते लोगों को गर्मी से खासी राहत मिल रही है।

बुधवार को जिले में जहां दिनभर धूप खिली रही, वहीं दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ साथ आसमान में बादल छाए रहे। शाम को बारिश से लोगों को गर्मी से काफी निजात मिली है। जिले में विगत तीन दिनों से दिनभर धूप खिलने के बाद सांय को तेज बारिश हो रही है। इससे लोगों को गर्मी से राहत तो मिल ही रही है। वहीं जंगलों में लगी आग भी बुझने से लोगों को धुंध व धुंए से निजात मिल रही है।

बुधवार की शाम को उत्तरकाशी में मौसम बदला। जिला मुख्यालय सहित गंगोत्री धाम, यमुनोत्री धाम व हर्षिल घाटी में वर्षा हुई। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्र में वर्षा होने से गर्मी से बड़ी राहत मिली है। जबकि यह वर्षा काश्तकारों के लिए काफी फायदेमंद है।

उत्तरकाशी में बुधवार सुबह से चटक धूप खिली थी। लेकिन, दोपहर के बाद मौसम बदला। संध्या साढ़े पांच बजे जिला मुख्यालय में वर्षा शुरू हुई। जिससे आमजन को गर्मी से कुछ राहत मिल सकी।

वर्षा होने से सेब काश्तकारों ने काफी राहत महसूस की। वहीं यह वर्षा धान की रोपाई के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस दौरान गंगोत्री व यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू रहा।

तीर्थ स्थानों की स्वच्छता जन जागरण अभियान सराहनीय प्रयास : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मिशन हील एनवायरनमेंट एंड सोशल कॉज फ्रॉम पैज पीपल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजन प्रेरणा 2022 के अंतर्गत तीर्थ स्थानों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। मुख्यमंत्री ने दल के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मिशन हील एनवायरनमेंट एंड सोशल कॉज फ्रॉम पैज पीपल ट्रस्ट, कई वर्षों से दिव्यांग जनों के हितार्थ के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिसमें दिव्यांग जनों की सक्रिय भागीदारी से अनेक साहसिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जाता रहा है। ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगजन प्रेरणा 2022 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ स्थानों की स्वच्छता हेतु 15 जून से 18 जून तक जन जागरण अभियान का सराहनीय प्रयास किया जा रहा है।

मिशन हील एनवायरनमेंट एंड सोशल कॉज फ्रॉम पैज पीपल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार नौटियाल ने जानकारी दी कि इस अभियान में यात्रा दल गौरीकुंड से श्री

केदारनाथ धाम के माय पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ स्थानों स्वच्छता के लिए जन जागरण अभियान के साथ-साथ स्वच्छता अभियान चलायेगी। यात्रा दल 15 जून को देहरादून से चलकर गौरीकुंड में विश्राम करेगा और अगले दिन से पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ स्थानों की स्वच्छता हेतु जन जागरण अभियान के साथ-साथ गौरीकुंड से श्री केदारनाथ धाम की यात्रा मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाएगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह उपस्थित थे।

बजट से जनता ठगा गया महसूस कर रही : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा में मंगलवार को प्रस्तुत बजट पर मुख्य विपक्ष कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि इस बजट से जनता स्वयं को ठगा गया महसूस कर रही है। उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने राज्य को कर्ज में डुबोने का काम किया है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राज्य सरकार के बजट को निराशाजनक व जनता के साथ धोखा बताया है।

बजट पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में सरकार ने लगभग 70 हजार करोड़ रुपये कर्ज के रूप में लिए हैं और इस कार्यकाल में भी राज्य को कर्ज में डुबोने वाला बजट पेश किया है। दिशाहीन बजट में महंगाई, बेरोजगारी दूर करने का कोई रोड मैप नहीं है। रिवर्स पलायन के लिए कोई सुनियोजित योजना नहीं है। यह बजट निराशाजनक, महिला विरोधी और बेरोजगारों को रोजगार न देने वाला बजट है। यह किसान, पिछड़ा व अल्पसंख्यक विरोधी बजट है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि गैरसैंण के लिए बजट में कोई प्रविधान न रखना गैरसैंण की भावना और जनता के साथ धोखा है। सरकार को बताना चाहिए की भाजपा सरकार के एक पूर्व मुख्यमंत्री के घोषित 25 हजार करोड़ रुपये कहां गए, क्या वह भी जुमला था।

उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए बजट में कुछ नहीं है। बेरोजगारी भत्ता व रोजगार के अवसरों पर बजट में चुप्पी है। केंद्र व बाह्य सहायतित योजनाओं के भरोसे राज्य की आर्थिकी को छोड़ दिया गया है, जबकि राज्य सरकार की केंद्रीय व बाह्य सहायतित योजनाओं में खर्च करने की गति में लापरवाही रही है।

अब तक 12 लाख 58 हजार 544 लोगों तक पहुंचा डिजिटल राशन कार्ड : रेखा आर्या

जुलाई 2022 अंत तक सभी को कर दिए जाएंगे डिजिटल राशन कार्ड वितरित : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विधानसभा सत्र के दूसरे दिन सदन में विपक्षी विधायकों ने प्रदेश में चल रही डिजिटल राशन कार्ड की योजना को लेकर खाद्य मंत्री रेखा आर्या से सवाल किए। खाद्य मंत्री रेखा आर्य ने विधायकों के द्वारा सदन में उठाये गए सवालों के जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में राशनकार्डो को डिजिटल करने की योजना का काम जून 2020 में शुरू किया गया था लेकिन साल 2020 में कोरोना की पहली लहर ,वर्ष 21 में दूसरी लहर आने के साथ ही साल 2022 में विधानसभा चुनावों के चलते प्रदेश में डिजिटल राशनकार्डो को बनाने की योजना और उन्हें वितरित करने में कहीं ना कहीं देरी हुई।

जुलाई 2022 अंत तक कर दिए जाएंगे सभी को डिजिटल राशन कार्ड वितरित-----

मंत्री रेखा आर्या ने सदन में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में डिजिटल राशनकार्डो को बनाने की प्रक्रिया चल रही है और अगले माह जुलाई अंत तक पूरे प्रदेश में सभी को डिजिटल राशन कार्ड वितरित कर दिए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान मे डाटा मॉडिफिकेशन /पीडीएफ जनरेशन का कार्य करते हुए सुविधा जनजक राशन कार्ड मुद्रण का काम चल रहा है । जिसके तहत 30 मई 2022 तक सभी जिलों के मुद्रण के बाद 13 लाख 46 हजार 632 नवीन राशन कार्ड प्राप्त हो चुके हैं जिसमें से 12 लाख 58 हजार 544 राशन कार्ड धारकों को डिजिटल राशन कार्ड वितरित किये जा चुके हैं ।

इस दौरान खाद्य मंत्री ने हरिद्वार जिले में स्थित ज्वालापुर के अंतर्गत अंत्योदय राशि की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा के कुल कितने राशन कार्ड धारक हैं और उसमें कितने राशन कार्ड ऑनलाइन हैं या नहीं है के बारे में बताते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र ज्वालापुर में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत अंत्योदय के 5 हजार 357 राशन कार्ड धारक, प्राथमिक परिवार के 27 हजार 93 राशन कार्ड धारक तथा राज्य खाद्य योजना के 19 हजार 474 सहित कुल 51हजार 924 राशनकार्ड धारक हैं, साथ ही सभी राशन कार्ड ऑनलाइन हैं ।

नंदा गौरा योजना से मिलेगा 61 हजार बेटियों को जल्द मिलेगा आर्थिक लाभ : रेखा आर्या

धामी सरकार ने बजट में वर्ष 2022-23 के लिए 500 करोड़ की व्यवस्था की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पहाड़ की गरीब परिवारों की 61 हजार से अधिक बेटियों को धामी सरकार नंदा गौरा योजना का लाभ देगी जिसके लिए राज्य सरकार ने बजट में वर्ष 2022-23 के लिए 500 करोड़ की व्यवस्था की है। यहाँ आपको ये भी बता दें कि हजारों लाभार्थी लड़कियों को इस योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता का इंतजार है।

योजना के माध्यम से सामान्य श्रेणी से लेकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाली बेटियों के जन्म पर 11 हजार और इंटर पास करने पर 51 हजार की धनराशि दी जाती है ताकि बेटियां इंटर पास करने के बाद आगे की पढ़ाई जारी रख सकें, लेकिन कल्याणकारी योजना में बजट की कमी के चलते वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक गरीब परिवारों की 61890 बेटियों को नंदा गौरा योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।

प्रदेश सरकार की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाली बेटियों के लिए नंदा गौरा योजना शुरू की गई है। योजना के माध्यम से सामान्य श्रेणी से लेकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाली बेटियों के जन्म पर 11 हजार और इंटर पास करने पर 51 हजार की धनराशि दी जाती है ताकि बेटियां इंटर पास करने के बाद आगे की पढ़ाई जारी रख सकें, लेकिन कल्याणकारी योजना में बजट की कमी के चलते वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 तक गरीब परिवारों की 61890 बेटियों को नंदा गौरा योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा है कि राज्य सरकार बेटियों को योजना का लाभ मिल सके इसके प्रति गंभीर है। नंदा गौरा योजना के तहत इस बजट में 500 करोड़ की व्यवस्था की गई है। पूर्व में छूट गई बेटियों को समय से योजना का लाभ मिल सकेगा।

विकल्प रहित संकल्प के नायक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भरोसे को फर्ज़ मानते है, जांबाज IPS अफसर जन्मेजय खंडूरी

एसएसपी देहरादून जन्मेजय खंडूरी का एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

इंटरव्यू में पढ़े स्कूल,कॉलेज और विश्वविद्यालयों में नशे के कारोबार की रोकथाम पर क्या है योजना,ट्रैफिक जाम और पार्किंग पर क्या है सोच, कैसे दिलाएंगे जाम से निजात

सड़को पर गड्ढा खोदा या बिल्डिंग मैटेरियल बेतरतीब डाला तो क्या करेगी पुलिस

युवाओं को एसएसपी बनना है तो कैसे करें तैयारी,महिलाओं में क्यों बढ़ रहा है पुलिस में भर्ती का क्रेज़,टाइम मैनेजमेंट क्यों है ज़रूरी

मो.सलीम सैफी, समूह संपादक
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खाकी में एक शानदार व्यक्तित्व की झलक देखनी है तो मिलिए एक ऐसे आईपीएस अफसर से जो कहते हैं कि अगर कोई भी आपको धमकी दे, आपसे रंगदारी मांगे, जबरन वसूली करे...तो बेखौफ होकर मेरे पास आइए , बदमाशों पर सख्त कार्रवाई होगी'। आम लोगों के दिलों में पुलिस के लिए भरोसा दिलाने वाले ये शब्द किसी जांबाज अफसर के ही हो सकते हैं। उत्तराखंड में कई युवा पुलिस अधिकारी ऐसे भी हैं, जो आज समाज के लिए प्रेरणा बन गए हैं। ऐसे पुलिस अधिकारी हैं, तो आम जनता का भरोसा खाकी पर है और बदमाशों के दिलों में खौफ है। उत्तराखंड में कुछ पुलिस अधिकारी वास्तव में अपने कामों से जनता के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। उत्तराखंड पुलिस में वरिष्ठ IPS जन्मजेय खंडूरी ऐसे ही शानदार और प्रभावशाली पुलिस अफसरों में से एक हैं जो दफ्तर में बैठकर आदेश नहीं देते हैं बल्कि फील्ड में खड़े होकर आम जनता की सेवा , सुरक्षा और सहयोग के लिए निर्देशों का पालन करवाते हैं। लिहाज़ा ऐसे अफसर के साथ जब न्यूज़ वायरस के ग्रुप एडिटर मो० सलीम सैफ़ी ने सवाल जवाब किया तो उन्होंने भी बड़ी तसल्ली और धैर्य के साथ जवाब दिए। पढ़िए देहरादून के एसएसपी / डीआईजी जन्मेजय खंडूरी का समूह संपादक मो.सलीम सैफी के साथ विशेष साक्षात्कार -

सवाल नंबर 1 - युवा आपको अपना आदर्श मानते हैं लेकिन आज प्रदेश का वही युवा नशे के जाल में फंसता जा रहा है। ऐसे में नशे के कारोबार को खत्म करने के लिए आप क्या कर रहे हैं ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - पहले सवाल के जवाब में विस्तार से जानकारी देते हुए डीआईजी खंडूरी कहते हैं कि नशा बेसिकली डिमांड एंड सप्लाई चेन पर चलता है। जब तक सप्लाई रहेगी तब तक डिमांड रहेगी। इस विशेष सर्कल को तोड़ने के लिए सभी एजेंसी को साथ आना पड़ेगा , इससे ही विशेष सर्कल टूट सकता है। क्योंकि अभी आप देखेंगे की लगातार एनडीपीएस केसेस रजिस्टर होते हैं। जो नशे का कारोबार करते हैं उनको जेल में भी भेजा जाता है , तुरंत वह फिर जेल से छूट के आते हैं फिर इसी धंधे में लिप्त हो जाते हैं। दूसरा चीज जो नशा करता है , वह नशे का इतना आदी हो जाता है तो उसको किसी भी कीमत पर वह नशा चाहिए होता है। नशे की गिरफ्त में आकर व्यक्ति क्राइम में घुस जाता है। आपने देखा होगा कि चोरी और लूट में नशे का बहुत बड़ा हाथ होता है , क्योंकि नशे को पाने के लिए आदमी क्राइम के रास्ते चल जाता है। जरूरत है रिहैबिलिटेशन की , लेकिन अगर आप देहरादून में देखेंगे तो रिहैबिलिटेशन सेंटर कम है । उनकी कंडीशन अगर आप देखेंगे तो वह ओवर क्राउडेड भी है और कहीं पर भी कोई प्रोटोकॉल भी नहीं है , कोई रूल्स नहीं है। बस वह रिहैबिलिटेशन सेंटर जैसे तैसे चला रहे हैं। जरूरत है एक पूरा सिस्टम बनाया जाए जिसमें डिमांड के मुताबिक रिहैबिलिटेशन भी रहे , काउंसलिंग भी रहे क्योंकि रिहैबिलिटेशन होगा तभी नशे की लत छूटेगी। दूसरा जो नशा करता है उनके लिए काउंसलिंग बहुत जरूरी है। जो काउंसलर हमारे पास मौजूद है उनके साथ समय-समय पर हम कॉलेज में जाते हैं, स्कूल में जाते हैं काउंसलिंग भी करते हैं , टिप्स भी देते हैं। लेकिन वन टू वन

काउंसलिंग की जरूरत है। हमारा तो काम है एनडीपीएस के केसेज़ रजिस्टर करना और जो नशे का कारोबार कर रहे हे उनका गिरफ़्तार करना। लेकिन जब तक डिमांड बनी रहेगी तो नए नए रुट पैदा होंगे , नए नशे के कारोबारी पैदा होंगे , तो हमें इसके लिए कोई प्लान बनाना पड़ेगा और प्लान के तहत अगर हम कार्यवाही करेंगे तभी हमें इससे निजात मिल सकती हे ।

सवाल नंबर 2 - क्या आपने इन चुनौती के लिए कोई इनिशेटिव लिया है ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - समय समय पर हम स्कूल कॉलेज में जाते हैं , स्कूल कॉलेजेज़ में काउंसलिंग सेशन भी हमारे द्वारा भी लिए जाते हे। समय समय पर हम स्टूडेंट्स को बुलाते भी हैं। उनकी गोष्ठियां भी अरेंज करते हैं। इसके अलावा समाचार पत्रों के माध्यम से सोशल मीडिया के माध्यम से और विभिन्न माध्यमों से हम लोगों को नशे के खिलाफ और नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी बताते हैं। स्कूल के टीचरों की भी काउंसलिंग की जाती हे उनको भी बताया जाता हे किस तरीके से स्टूडेंट को हैंडल करो क्योंकि अगर आप नशे का देखेंगे तो यूथ ही सबसे ज्यादा नशे में बर्बाद हो रहा हे और यूथ अगर आप देखेंगे की सबसे ज्यादा अगर परिवार वालों के बाद किसी की सुनता हे तो अपने टीचर की सुनता है। तो बहुत ज़रूरी है कि टीचरों को भी इस समस्या के लिए ट्रेंड किया जाए तो टीचर्स से हमारा लगातार संवाद चलता रहता हे।

सवाल नंबर 3 - राजपुर रोड पर रैश ड्राइविंग एक बड़ी समस्या है , लोगों को ड्राइविंग के प्रति जागरूक करने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - इस सवाल का जवाब देते हुए डीआईजी खंडूरी कहते हैं कि देहरादून में रैश ड्राइविंग को रोकने और लोगों को जागरूक करने के लिए भी दून पुलिस लगातार अभियान चला रही है। वो आगे कहते हैं कि आपने अभी देखा होगा कि हमारे द्वारा सायलेन्सर पर भी काफ़ी कार्यवाही की गयी थी। इस दौरान कई सायलेन्सर को भी जब्त किया गया था। इसके अलावा लगातार चालान की भी करवाई की जाती है। स्मार्ट सिटी में हमारे द्वारा कैमरे भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं जो की ओवर स्पीडिंग को देखते हैं , इसके अलावा कई लोगों के हमारे द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करने की कार्यवाही की गयी है। लगातार युवाओं से हम संवाद भी रखते हैं कि रैश ड्राइविंग में आपकी जान भी जा सकती हे तो आपका जीवन अमूल्य है और आप इसका ख्याल खुद ही रख सकते हे।

सवाल नंबर 4 - ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट का आपको अपने अभियान में कितना सहयोग मिलता है ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - देखिये ऐसा है कि सरकार के जितने भी विभाग हैं सब एक दूसरे के बिना पूरे नहीं हैं , तो जितने भी विभाग है सब एक दूसरे से समन्वय स्थापित करते है जो रोड ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट हैं उनसे भी हमारा लगातार समन्वय रहता है , लगातार हमारे जॉइंट ऑपरेशन भी चलते रहते हैं। लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई होती है। उसमें भी हमे रोड ट्रांसफर के विभाग का भी काफी साथ मिलता हैं तभी सारी चीजें कर पाते हैं। तो यह कहना गलत हैं कि कहीं कोई समन्वय की कमी है।

सवाल नंबर 5 - सड़कों पर भवन निर्माण और गड्ढों की खुदाई से हादसे होते रहते हैं। ऐसे मामले में आप किस तरह की सख्त कार्यवाही कर रहे हैं ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - देखिए जहां तक रोड के गड्ढों और सेफ्टी का प्रश्न है इसमें हमारे द्वारा कई एफआईआर दर्ज की गई है। जो ठेकेदार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। हमारे द्वारा समय-समय पर विभिन्न विभागों को भी यह बताया गया है कि एक अगर कोई निर्माण कार्य किया जाए तो उसमें सारे के सारे विभाग

इकट्ठा होकर एक ही बार में अनुमतियां दें ताकि अगर कोई जगह खोदी जाए तो उसमे सभी विभागों का काम एक साथ हो जाए तो उससे क्या होता है कि बार-बार रिपिटेशन नहीं होता है। तो उसके बारे में लगातार हम अपील भी करते रहते हैं , लगातार पत्राचार भी करते रहते हैं और इस पर अभी कई बार ऐसा हुआ है मल्टी एजेंसी अप्रोच भी हो रहा है और कई विभागों ने कार्य भी किया है। तो यह एक सतत प्रक्रिया है और आने वाले टाइम में सही भी हो जाएगी।

सवाल नंबर 6 - सड़को पर बिल्डिंग मेटेरियल पड़ा रहता है,उससे दुर्घटनाएं होती है, उस पर क्या कार्यवाही करते हैं ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - देखिए पुलिस एक्ट में पुलिस को यह पावर है कि अगर कोई मार्ग अवरुद्ध करता है तो उसके खिलाफ पुलिस एक्ट में कार्रवाई होगी, उसमें जुर्माना भी किया जा सकता है। उसमें जो कंस्ट्रक्शन मैटेरियल है उसको भी सीज करने की पावर पुलिस एक्ट में पुलिस को दी गई है। इसका समय समय पर हमारे टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही भी की जाती है।

सवाल नंबर 7 - आप युवाओं के रोल मॉडल है , आजकल पुलिस भर्तियां चल रही है , आप युवाओं में क्या रुझान देख रहे हैं ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - देहरादून

जनपद में जो हम भर्तियां कर रहे हैं उसमें लगभग 20,000 महिलाओं द्वारा आवेदन किया गया है। जो प्रदर्शित करता है कि लोगों में मोटिवेशन है। जो युवा है वह मोटिवेटेड है केवल यहीं पर नहीं पूरे 13 जनपदों में कई जगह पर प्रक्रिया चल रही है। हर जगह कई हजारों में युवाओं ने आवेदन किया है। जिससे लोगों की जागरूकता का पता चलता है और लोग बहुत कॉम्पिटिटिव है वो ट्रेंड भी हो रहे हैं ताकि वह फिजिकल निकाल पाए और उसके बाद जो रिटन एग्जाम है उसको भी क्वालीफाई कर ले। तो लगातार उनके द्वारा प्रयास किया जा रहा है जो एक अच्छी चीज है। युवाओं को मैं यह संदेश भी देना चाहता हूं कि सतत प्रयास करने से और संयम रखने से कोई भी मंजिल ऐसी नहीं है जिसको पाया नहीं जा सकता है। तो इसलिए आप प्रयास करते रहे और संयम रखें और अगर आप संयम रखते हैं तो सफलता आपके कदम जरूर चूमेगी।

सवाल नंबर 8 - आप उन युवाओं को क्या टिप्स देना चाहते हैं जो आपकी तरह एक कामयाब आईपीएस ऑफिसर बनने का प्रयास कर रहे हैं ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - देखिए कड़ी मेहनत का तो कोई भी विकल्प नहीं है किसी भी चीज को पाने के लिए कई चीजें खोनी भी पड़ती है। तो अगर आप किसी चीज को पाने का प्रयास कर रहे हैं तो फोकस रखे जैसे अर्जुन को मछली की आंखे दिखाई दी थी उसी तरह आपका भी फोकस होना बहुत ही जरूरी है। अगर किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात उसको आपसे मिलाने की कोशिश करती है । कहा भी जाता है कि अगर आप लगातार प्रयास करते रहे तो भगवान भी आपकी मदद करता है। लेकिन आपको फोकस करना बहुत ही जरूरी है और कड़ी मेहनत भी करें और टाइम टेबल बनाए,समय जो है वो बड़ा कीमती होता है समय का टाइम मैनेजमेंट करें, वह कहते हैं कि टाइम मैनेजमेंट करना भी बहुत ही जरूरी होता है कि कितना समय किस चीज को दिया जाए। अगर आप टाइम के गुड मैनेजर है तो आप आसानी से कोई भी चीज पा सकते हैं ।

सवाल नंबर 9 - शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने में सिविल सोसायटी और आम नागरिकों का कितना सहयोग मिल रहा है ?

जन्मजेय खंडूरी SSP / DIG - आपने देखा होगा जब हमने रेड लाइट को शुरू किया था तो लोगों की प्रतिक्रिया आई थी,क्योंकि लंबे समय तक शहर में रेड लाइट नहीं थी अब लगी है तो अब रेडलाइट के कारण जाम लग रहा है। लेकिन शुरुआत में जो ट्रांजैक्शन होता है उसको लोग एक्सेप्ट नहीं करते। बाद में करने लगते है अब आपने देखा होगा कि सब रेड लाइट को फॉलो कर रहे हैं क्योंकि देहरादून एक एजुकेटेड टाउन है और यहां के लोग एजुकेटेड है। कोई भी रूल अगर हम बनाते हैं उसको फॉलो भी सभी लोग करते हैं। अब रेडलाइट्स की कोई भी शिकायत नहीं दर्ज हो रही है , क्योंकि पब्लिक ने इसको एक्सेप्ट किया है। कोई भी चीज सिटी में नई आती है , तो शुरू में दिक्कतें होती है,कई चीजें की प्रक्रिया होती है जिसमें नए-नए एक्सपेरिमेंट किए जाते हैं। अगर छोटा टाउन देखा जाए तो तो आपको वहां पर ट्रैफिक लाइट नहीं मिलती। तो कोई टाउन अगर बढ़ रहा है तो ट्रैफिक लाइट लगाई जाती है। आपने देखा होगा कि कुछ फ्लाईओवर्स बनाएं गए हैं जिससे ट्रैफिक जाम से निजात मिली है। हम देख रहे हैं स्मार्ट सिटी का कार्य लगातार चल रहा है तो ऐसे में आने वाले समय में सड़कें और चौड़ी हो जाएगी। शहर में ट्रैफिक का वॉल्यूम लगातार बढ़ता जा रहा है , पार्किंग की व्यवस्था जो है वो कम है , मगर आप देखेंगे तो भी पार्किंग की जगह बहुत कम है शहर में । पार्किंग सुविधाएं भी आने वाले टाइम में बढ़ाई जाएगी। जब पार्किंग की व्यवस्था और बढ़ जाएगी , फ्लाईओवर बन जाएंगे तब कहीं जाकर थोड़ा जाम से निजात मिलेगी।

आम आदमी को एक और बड़ा झटका, LPG कनेक्शन महंगा, रेगुलेटर के भी बढ़ाए दाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राहत की उम्मीद लगाए बैठा आम आदमी एक और झटके से चौंक गया है। देश में बढ़ती महंगाई के बीच एक बार फिर पहले से ज्यादा ढीली होगी आपकी जेब।

जी हाँ अब घरेलू रसोई गैस का नया कनेक्शन लेना और भी महंगा हो जाएगा। पेट्रोलियम कंपनियां कल यानी 16 जून से बढ़े हुए दाम लागू कर रही है इसके साथ ही 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के सिक्योरिटी अमाउंट में कंपनियों ने 750 रुपये का इजाफा कर दिया है। 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर के लिए भी अब 350 रुपए ज्यादा देने होंगे। सिलेंडर के साथ दिए जाने वाले गैस रेगूलेटर की कीमत भी 100 रुपये तक बढ़ा दिया है। वहीं उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को भी राहत नहीं अगर वह भी दूसरा सिलेंडर लेंगे तो उन्हें बढ़ा हुआ पैसा देना होगा।

रसोई कनेक्शन की नई कीमत

सोई कनेक्शन लेने के लिए अब उपभोक्ता को 2,200 रुपये देने होंगे इसके पहले यह राशि 1450 रुपये थी। इसके अलावा रेग्युलेटर के लिए 250, पासबुक के लिए 25 और पाइप के लिए 150 रुपये अलग से देने होंगे। इस हिसाब से पहली बार गैस सिलेंडर कनेक्शन लेने के लिए उपभोक्ता को कुल 3,690 रुपये भुगतान करने होंगे। अगर कोई दो सिलेंडर लेता है तो उसे सिक्योरिटी के रूप में 4400 रुपये देने होंगे।

बता दें कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के मुताबिक 5 किलोग्राम के सिलेंडर की सिक्योरिटी के रूप में अब 800 रुपये की जगह 1150 रुपये कर दिए है।

मानसून से पहले पेयजल की समस्या का समाधान हो : गणेश जोशी, मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा के वार्ड संख्या 6 दून विहार, चिड़ोवाली, कैनाल रोड, धोरण, संतला देवी, जैंतनवाला, मसूरी व अन्य क्षेत्रों में पेयजल तथा सीवर से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु पेयजल निगम तथा जलसंस्थान के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि दून विहार में पेयजल की समस्या का तत्काल निदान हो जाएगा क्योंकि वहां ओवरहेड टैंक से लाइन को जोड़ने का ही काम अवशेष है। काबीना मंत्री ने निर्देशित किया कि खुले में बह रहे सीवर अपशिष्ट को सीवर लाइन से कनेक्ट किया जाए। कंडोली तथा चिडोंवाली की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए अधिकारियों ने अवगत कराया कि, ट्यूबवेल निर्माण हेतु टेंडर की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही ट्यूबवेल स्थापित होने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। राजपुर क्षेत्र की पेयजल समस्या के समाधान के लिए कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि, शिखर फॉल जो कि पेयजल का स्रोत है पर स्थलीय निरीक्षण कर पृथक से पेयजल हेतु टैंक बनाया जाए।

संतला देवी क्षेत्र की पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए स्रोत को पुनर्जीवित करने हेतु झील निर्माण का प्रस्ताव दिया गया। इसी प्रकार जैतनवाला में भी जल स्रोत के संवर्धन हेतु जल संचयन झील अथवा तालाब निर्माण का सुझाव दिया गया। कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि आगामी मानसून प्रारंभ होने से पूर्व ही पेयजल की समस्या का समाधान कर लिया जाए। इस दौरान जल संस्थान के मुख्य महाप्रबंधक एसके शर्मा, महाप्रबंधक नीलिमा गर्ग, मुख्य अभियंता जल निगम एससी पंत, अधिशासी अभियंता मोनिका वर्मा, अधीक्षण अभियंता एससी सेमवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष पूनम नौटियाल, पार्षद संजय नौटियाल, मंजीत रावत भी उपस्थित रहे।

चारधाम तीर्थयात्रियों के लिए अच्छी खबर, अब श्रद्धालुओं को मिलेगा एक लाख रुपये का बीमा कवर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेशः उत्तराखंड चार धाम (बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम) के मंदिर परिसर में तीर्थयात्रियों को किसी दुर्घटना पर अब एक लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा।

प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के प्रयास से यह संभव हुआ है। प्रसिद्ध आध्यात्मिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से बीमा की प्रीमियम युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को दी गई है।

उल्लेखनीय है कि पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज प्रसिद्ध आध्यात्मिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति दिल्ली के संस्थापक भी है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज एवं मानव उत्थान सेवा समिति का आभार जताया है कहा है कि पहली बार चारधाम आने वाले तीर्थयात्रियों को बीमा कवर मिल रहा है।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि मंदिर समिति मुख्य कार्याधिकारी बीडी सिंह ने इस संबंध में उपजिलाधिकारी जोशीमठ, ऊखीमठ, बड़कोट (यमुनोत्री), भटवाड़ी (गंगोत्री) को पत्र लिखकर सूचित किया है कि मंदिर परिसर में क्षेत्र में किसी दुर्घटना पर यह बीमा कवर दिया जायेगा है।

पत्र में बीमा राशि के भुगतान के संबंध में श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को सूचित करने को कहा गया है। बीमा राशि का भुगतान श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के माध्यम से युनाईटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा देय होगा। सुलभ संदर्भ के लिए जितेंद्र सिंह वरिष्ठ शाखा प्रबंधक युनाइटेड इंश्योरेंस कंपनी का भी जिक्र किया गया है।

केदारनाथ मंदिर परिसर में निर्धारित स्थान से आगे तीर्थयात्रियों को जूते व चप्पल ले जाने पर जल्द ही प्रतिबंध लगाया जाएगा। वहीं शंकराचार्य समाधि का निर्माण पूरा होने पर इसकी जिम्मेदारी मंदिर समिति को सौंपने को लेकर बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय ने पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर को पत्र भेजा है।

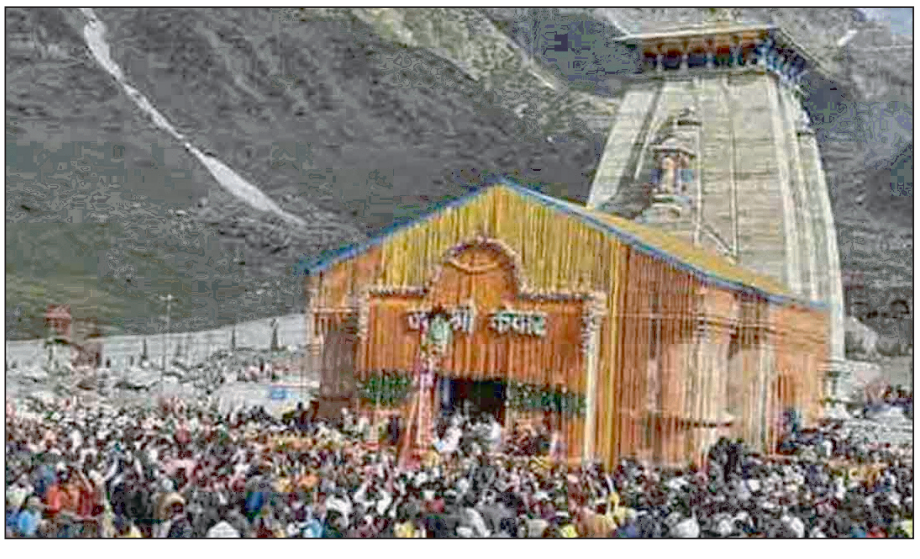

DIG और DGP की गाड़ी की नंबर प्लेट और वर्दी में क्या होता है फर्क ? Interesting Facts

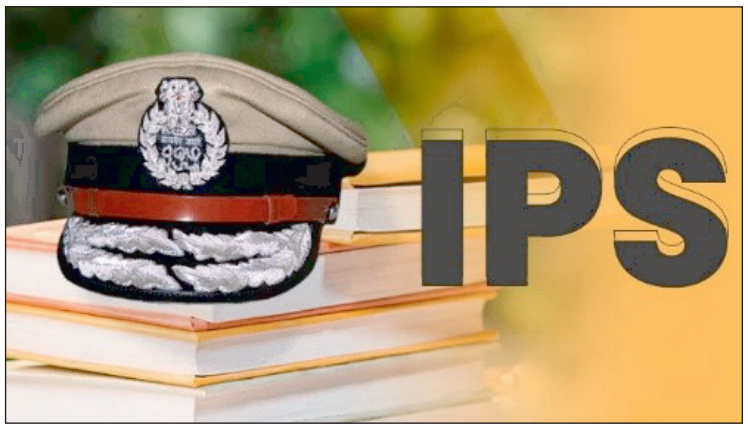

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय पुलिस सेवा में पदों के अनुसार लोगों में बड़ी असमंजस की स्थिति होती है कि आखिर कौन सा अधिकारी सीनियर होता है। ऐसे में आप अधिकारियों की गाड़ी की नंबर प्लेट और और वर्दी देखकर उनके पद को पहचान सकते हैं।हम जिस समाज में रहते हैं उसका एक बड़ा जिम्मेदार हिस्सा पुलिस होती है। समाज के हर वर्ग की सुरक्षा व शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस के कंधों पर ही होती है। हर छोटी से बड़ी घटना के बारे कोई भी नागरिक सबसे पहले पुलिस को ही सूचना देता है, क्योंकि उसे यह विश्वास होता है कि पुलिस विभाग से जुड़ा व्यक्ति ही मामले को आसानी से सुलझा देगा।

लोग अक्सर अपनी शिकायत लेकर किसी पुलिस स्टेशन या पुलिस अधिकारी के पास जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को अधिकारियों के बारे में और उनके अधिकारों की जानकारी होती है। अधिकतर लोग पुलिस विभाग के पदों और उन पर आसीन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र से भी अंजान होते हैं। ऐसे में हम आज आपको बताएंगे कि पुलिस विभाग में डीआईजी (DIG) और डीजीपी (DGP) में कौन सा अधिकारी सीनियर होता है। साथ ही यह भी बताएंगे कि इन अधिकारियों की गाड़ी की नंबर प्लेट और वर्दी में क्या फर्क होता है जिससे हम उनकी पहचान कर सकते हैं।

कौन होता है सीनियर:

बता दें कि पुलिस विभाग में सबसे बड़ा पद पुलिस महानिदेशक यानी डीजीपी का होता है। डीजीपी ही पूरे राज्य की पुलिस का मुखिया होता है, जो भारतीय पुलिस सेवा के द्वारा चुना जाता है। पुलिस विभाग के सभी अधिकारी पुलिस सेवा के कानूनों के तहत काम करते हैं और डीजीपी हर प्रकार की घटनाओं पर नजर बनाएं रखते हैं। वहीं पुलिस उपमहानिरीक्षक यानी डीआईजी प्रदेश के किसी जोन की पुलिस में दूसरे नंबर का अधिकारी होता है। तय रेंज में तैनात पुलिस अधिकारी छोटे-बड़े घटनाक्रमों के संबंध में डीआईजी को रिपोर्ट करता है।

गाड़ी की नंबर प्लेट भी एक पहचान:

प्रदेश के पुलिस अधिकारी तय वाहनों के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभाते हैं। यह गाड़ियां शासन द्वारा आवंटित की जाती हैं। ऐसे में अधिकारियों के पदानुसार उनकी गाड़ियों के नंबर प्लेट पर कुछ विशेष निशान होते हैं, जैसे यदि नीली प्लेट पर स्टार बने हैं तो वह पुलिस विभाग की गाड़ी होगी। वहीं, गाड़ी पर यदि तीन स्टार बने हो तो यह डीजीपी के लिए आवंटित होता है। दो स्टार के साथ दिखने वाली नंबर प्लेट आईजी रैंक के अधिकारी की जबकि एक स्टार की गाड़ी डीआईजी रैंक के अधिकारी के लिए शासन द्वारा दी जाती है।

वर्दी से ऐसे करें पहचान:

पुलिस विभाग के लिए खाकी वर्दी ही उसके लिए आन-बान और शान होती है। पुलिस सेवा के अफसरों को उनके पद के अनुसार वर्दी पर प्रतीक चिन्ह दिए जाते हैं। पुलिस विभाग के सबसे बड़े अधिकारी यानी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) की वर्दी पर प्रतीक के रूप में अशोक स्तंभ की लाट के साथ दो तलवारें होती हैं। जबकि डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीआईजी) की वर्दी पर प्रतीक चिन्ह के रूप में अशोक की लाट के साथ तीन स्टार बने होते हैं।

खिलाडियों को छात्रवृत्ति, खेल किट, ट्रेकसूट और अन्य सुविधाएं मिलेंगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से जौहार क्लब मुनस्यारी द्वारा आयोजित 67वें वार्षिक खेलोत्सव के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जौहार क्लब मुनस्यारी की स्कीइंग गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए स्कीइंग उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे। जौहार क्लब मुनस्यारी में बहुद्देशीय हॉल निर्माण कराये जाने के प्रयास किये जायेंगे। जौहार क्लब मुनस्यारी के खेल मैदान में दर्शक दीर्घा का निर्माण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूती प्रदान करते हैं। मनुष्य की खेलों में रूचि स्वाभाविक है, चाहे वह खेल कोई भी हो, किसी भी प्रकार का हो, किसी भी स्तर का हो।

उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदेश में नई खेल नीति के तहत ओलंपिक में स्वर्ण, रजत एवं कास्य पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी पदों पर नियुक्ति का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत राज्य में प्रतिभावान खिलाडियों को खेल संबंधी जरूरतों के लिए छात्रवृत्ति, खेल किट, ट्रेकसूट और अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभावान खिलाडियों को जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी प्रतिभाओं को पूर्णतः उजागर नहीं कर पाते थे, उनको अब किसी भी प्रकार की आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनके लिए सरकार द्वारा हर संभव

सुविधा दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा कृषि के क्षेत्र में वर्ष 2022 को "इन्टरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट'' मनाते हुए पहाड़ी जनपदों में मृदा व जलवायु के अनुरूप पौष्टिक अनाज के उत्पादन एवं उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराते हुए उचित मूल्य दिलाने की व्यवस्था की गई है। सरकार द्वारा सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि यन्त्रों की पहुंच बढ़ाने हेतु फार्म मशनरी बैंक स्थापित किये जाने का भी निर्णय लिया गया है।

विधायक हरीश धामी ने जौहार क्लब मुनस्यारी को वार्षिक खेलोत्सव के सफल समापन पर बधाई दी। उन्होंने जौहार क्लब मुनस्यारी को अपनी विधायक निधि से 05 लाख रूपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर विधायक मनोज तिवारी, विशेष प्रमुख सचिव खेल अभिनव कुमार, संयुक्त सचिव संजय सिंह टोलिया, वर्चुअल माध्यम से अध्यक्ष, जौहार क्लब, केदार सिंह मर्तोलिया सचिव, जोहार क्लब, गौरव पांगती जी, सदस्य, जौहार क्लब, गोकर्ण सिंह मर्तोलिया, कवीन्द्र बृजवाल, जिलाधिकारी पिथौरागढ़ आशीष चौहान उपस्थित थे।

सदन में परिवहन मंत्री चंदनराम दास की तबीयत बिगड़ी, मैक्स अस्पताल में कराया गया भर्ती

देहरादूनः परिवहन मंत्री चंदन राम दास का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्हें मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। ईसीजी असामान्य होने के कारण उन्हें कार्डियोलाजिस्ट की देखरेख में रखा गया है।

देर शाम मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, स्वास्थ्य मंत्री डा धन सिंह रावत व संसदीय कार्य मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने मैक्स अस्पताल पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

बुधवार को विधानसभा सत्र में कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास के विभागों के प्रश्नों का दिन निर्धारित था। प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद उनकी स्थिति कुछ असहज हुई, तो वह अपने कक्ष में चले गए।

इसके बाद उन्होंने विधानसभा स्थित डिस्पेंसरी में अपनी जांच कराई। यहां से उन्हें दून अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी प्राथमिक जांच की गई। उनका ईसीजी असामान्य दिखाई देने पर उन्हें मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दून अस्पताल के एमएस डा केसी पंत ने बताया कि अस्पताल के कार्डियोलाजिस्ट के चारधाम यात्रा की ड्यूटी में होने की वजह से कैबिनेट मंत्री को मैक्स अस्पताल रेफर किया गया। उन्होंने कहा कि टीबी चेस्ट के विभागाध्यक्ष डा अनुराग अग्रवाल, वरिष्ठ फिजिशियन डा केसी पंत, डा अंकुर पांडेय और डा शोभा ने उनकी जांच की। चिकित्सकों की टीम की राय के बाद उन्हें मैक्स अस्पताल भेज दिया गया।

डा. पंत ने कहा कि पूर्व में भी कैबिनेट मंत्री की तबीयत खराब रही है। उनका हीमोग्लोबिन भी कम रहता है। ईसीजी में बदलाव दिखने की वजह से उन्हें मैक्स भेजा गया है।

जामिया के प्रोफेसर अशरफ ने किया शोध सियाचिन में क्यों जम जाता है खून का थक्का

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सियाचिन दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में शामिल है। मातृभूमि की रक्षा के लिए सेना के जवान जी-जान से डटे रहते हैं, लेकिन यहां के हालात कितने मुश्किल हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1984 से अब तक आठ सौ से अधिक जवान अपने प्राणों की आहुति दे चुके हैं।

यह संख्या कारगिल युद्ध में बलिदान हुए सैनिकों से अधिक है। इनमें से 97 प्रतिशत सैनिक मौसम की मार का शिकार बने। 23 हजार से अधिक की ऊंचाई पर हाड़ कंपा देने वाली ठंड और एक-एक सांस के संघर्ष की वजह से खून का थक्का जम जाता है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रोफेसर जाहिद अशरफ के शोध से सेना के जवानों की जान बचाने में आसानी होगी। प्रो. जाहिद ने अत्यधिक ऊंचाई पर खून का थक्का जमने के कारणों का पता लगाया है। उन्होंने ऐसे मॉलिक्यूल को ढूंढ़ा है, जो ब्लड क्लॉटिंग के लिए जिम्मेदार हैं।2016 में विज्ञानियों और सेना के डाक्टरों ने एक अध्ययन किया। इसमें 700 जवानों के चार साल का मेडिकल परीक्षण भी शामिल था।

सियाचिन में माइनस 50 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहता है। आमतौर पर एक सैनिक की तीन महीने तक तैनाती होती है। अध्ययन में पाया गया कि 13 जवानों के दिमाग, फेफड़े, लिवर में खून का थक्का जम गया। मल्टी आर्गन फेल्योर होने से देश ने तीन जवानों को खो दिया। मैदानी भागों के मुकाबले यहां खून का थक्का जमने की संभावना सौ गुना अधिक है। इससे बचने के लिए जवानों को विशेष किट दी जाती है।

खून का थक्का जमने के लिए कैलपैन मालिक्यूल जिम्मेदारप्रो. जाहिद अशरफ कहते हैं कि मानव ही नहीं, जिस रूप में भी जीवन है, उसे जीने के लिए आक्सीजन की जरूरत होती है। अत्यधिक ऊंचाई पर आक्सीजन कम हो जाता है। इस वजह से पैर, लिवर व दिमाग आदि में खून का थक्का जम जाता है, जो खतरनाक साबित होता है। जाहिद अशरफ ने खून का थक्का जमने के कारणों की पड़ताल की। बकौल प्रो.जाहिद शोध के दौरान एक मालिक्यूल का पता चला। इसका नाम कैलपैन है। जब यह मालिक्यूल सक्रिय होता है तो खून जमने की समस्या शुरू हो जाती है। पैथोलाजी के जरिये इस मालिक्यूल का पता लगा।

जिम करने के बाद मसल्स पेन क्यों होता है

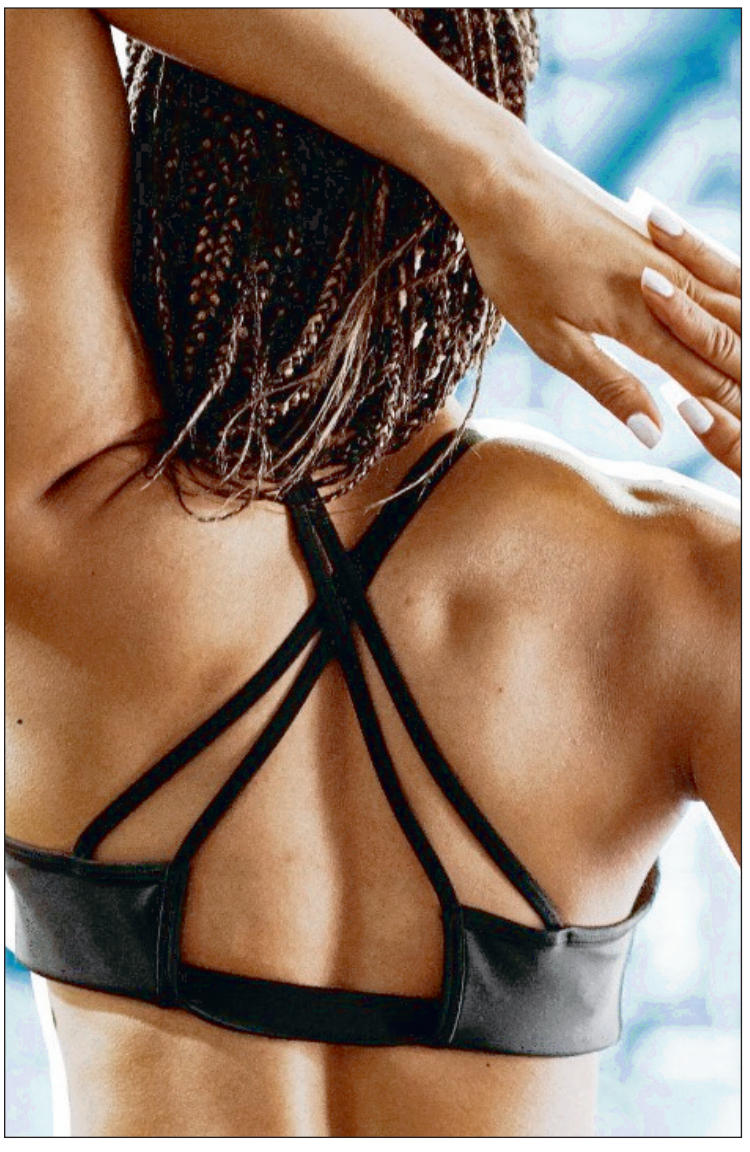

फ़िरोज़ आलम 'गाँधी' की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सेहत की बात में आज आपको न्यूज़ वायरस बेहद ख़ास जानकारी दे रहा है। जिम हो या योग , या फिर कोई घरेलू वर्जिश , आपको इस प्रक्रिया के बाद थकावट तो ज़रूर होती होगी। बॉडी बिल्डिंग का कायदा ये कहता है कि दर्द की लंबाई धीरे धीरे कम हो जानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो रहा तो आपके खानपान में कोई कमी है। बॉडी बिल्डिंग में एक पार्ट को कम से कम 72 घंटे रेस्ट देने की सलाह दी जाती है।

जिम करने के बाद कई बार मसल्स का पेन दो तीन दिन तक बना रहता है। इसकी वजह जो आप जानते हैं वो नहीं है। अभी तक सभी यही समझते थे कि मसल्स में पेन की वजह होती है लेक्टिक एसिड, मगर ऐसा नहीं है। लेक्टिक एसिड बड़ी तेजी इकट्ठा होता है और बॉडी पार्ट के रिलैक्स होते ही बड़ी तेजी से फैल जाता है। कसरत करने के कई घंटे बाद या अगले दिन शुरू होने वाला दर्द दरअसल डीओएमएस (डिलेड ऑनसेट मसल सोरनेस) है। यह कसरत करने के काफी देर बाद शुरू होने वाला दर्द है जो काफी देर तक टिका रहता है।

किसी बॉडी पार्ट के बहुत ज्यादा खिंचने या बहुत ज्यादा सिकुड़ने के चलते यह पैदा होता है। जब हम जमकर वर्कआउट करते हैं तो मसल्स में कई तरह की टूट फूट हो जाती है। यूं समझें कि यहां एक तरह की मारामारी मच जाती है। ऐसे में बॉडी के बाकी पार्ट से कई सेल्स और अन्य तत्व वहां मदद के लिए पहुंचते हैं।

बॉडी जब मरम्मत का काम करती है तो उसे काफी सारे लिक्विड की जरूरत भी पड़ती है। इसके चलते वो इलाका थोड़ा मोटा हो जाता है। हालांकि जो सेल्स यहां मदद के लिए पहुंचती हैं जरूरी नहीं कि वो वैसी ही हों जैसी कसरत करने के दौरान टूटी हैं, तो बॉडी उन्हें भी एडजस्ट करने की कोशिश कर रही होती है। कुल मिलाकर उस बॉडी पार्ट में सैकड़ों तरह की उठापटक शुरू हो जाती है। जब मरम्मत का काम शुरू होता है तो बॉडी चाहती है कि उसे परेशान न किया जाए। इसलिए उस पार्ट को हिलाने डुलाने या खींचने पर दर्द का अहसास होता है। ये सिग्नल होता है कि मरम्मत का काम चल रहा है असुविधा के लिए खेद है।

बॉडी बिल्डिंग का कायदा ये कहता है कि दर्द की लंबाई धीरे-धीरे कम हो जानी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हो रहा तो आपके खानपान में कोई कमी है। बॉडी बिल्डिंग में एक पार्ट को कम से कम 72 घंटे रेस्ट देने की सलाह दी जाती है।

संपादकीय

1857 का वह फौलादी शेर

अठारह सौ सत्तावन में लड़े गये देश के महान स्वतंत्रता संग्राम में अवध के सबसे बड़े नायक मौलवी अहमदउल्ला शाह का आज 164वां शहादत दिवस है. यह दिवस इस अर्थ में बहुत खास है कि इस बार हमारे पास उन्हें याद करने के दो अतिरिक्त बड़े कारण हैं. पहला यह कि देश में राजनीतिक कारणों से पैदा की जा रही सांप्रदायिक घृणा के बीच नयी पीढ़ी का यह जानना पहले से ज्यादा जरूरी हो चला है कि उस संग्राम को हिंदुओं व मुसलमानों ने मिल कर लड़ा था और अंग्रेज लाख जतन करके भी उनकी एकता खंडित नहीं कर पाये थे. दूसरा कारण यह कि अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के सर्वोच्च न्यायालय के नौ नवंबर, 2019 फैसले के मुताबिक मुस्लिम पक्ष को जो पांच एकड़ भूमि दी गयी है, उस पर निर्माणाधीन मस्जिद को इन्हीं मौलवी अहमदउल्ला शाह का नाम दिया गया है. मस्जिद निर्माण के लिए बने ट्रस्ट को मस्जिद के साथ जोड़ने के लिए ऐसी शख्सियत के नाम की तलाश थी, जो दोनों समुदायों के बीच पैदा हुई दूरियों की जगह सद्भाव का आधार बन सके. ट्रस्ट को मौलवी से बेहतर कोई नाम नहीं मिला. साल 1857 में मौलवी ने अपनी संगठन शक्ति को शंकरपुर (रायबरेली) के राणा वेणीमाधो सिंह की रणशक्ति के साथ मिला कर हिंदू-मुस्लिम एकता की बेल को इतना सींचा था कि उसमें सब कुछ साझा हो गया था. जानकारों के अनुसार, मौलवी देश के पहले ऐसे शख्स थे, जिनके द्वारा बांटे गये बगावत के पर्चे में अंग्रेजों को काफिर कहा गया था. उन दिनों छावनी-छावनी और शहर-शहर साधु-फकीरों, सिपाहियों व चौकीदारों के जरिये रोटी व कमल का जो फेरा लगता था, वह भी मौलवी की ही सूझ थी. किसी गांव या शहर में बागियों की तरफ से जो रोटियां आती थीं, उन्हें खा कर वैसी ही दूसरी ताजा रोटियां बनवा कर दूसरे गांवों या शहरों को रवाना कर दी जाती थीं. रोटियां खाने वालों के लिए इसका अर्थ होता था कि हम भी गदर में शामिल हो गये हैं. इसके लिए जाति व धर्म का कोई भेदभाव नहीं था. हम जानते हैं कि 1857 में इस संग्राम की शुरुआत 31 मई को होनी थी, मगर मेरठ के सिपाहियों का खून दस मई को ही उबाल खा गया. यह उबाल अवध पहुंचा, तो लगा कि अब अंग्रेजी राज का कोई नामलेवा नहीं बचेगा. कई लड़ाइयां हारने के बाद अंग्रेज मौलवी को 'फौलादी शेर' कहने लगे थे. अवध की पुरानी राजधानी फैजाबाद को मुख्य कर्मभूमि बनाने के कारण मौलवी 'फैजाबादी' भी कहे जाते थे. वे जब भी किसी अभियान पर निकलते, उनके आगे-आगे डंका या नक्कारा बजता रहता था. इसलिए कुछ लोग उन्हें नक्कारशाह व डंकाशाह भी कहते हैं. वे एक सूफी संत की इस शिक्षा को अपने जीवन का उद्देश्य बताते थे कि सीने में सांस रहते नाइंसाफी मंजूर नहीं करना है. फरवरी, 1857 में उन्होंने फैजाबाद में अपना सशस्त्र जमावड़ा शुरू किया, तो सशंकित अंग्रेजों ने उनसे हथियार सौंप देने को कहा. वे नहीं माने, तो उनकी गिरफ्तारी के आदेश दे दिये गये. अंग्रेजी फौज ने 19 फरवरी, 1857 को उन्हें न सिर्फ पकड़ लिया, बल्कि जंजीरों में बांध कर फैजाबाद शहर में घुमाया. बाद में मुकदमे का नाटक कर उन्हें फांसी की सजा सुना दी गयी. लेकिन आठ जून, 1857 को बागी देसी फौज ने जेल पर हमला कर मौलवी को छुड़ा कर अपना मुखिया चुन लिया. मौलवी ने इस फौज की कमान संभाली और फैजाबाद को आजाद कराने के बाद राजा मान सिंह को उसका शासक बनाया. गौरतलब है कि मान सिंह को शासक बनाना भी उनके हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रयत्नों के ही तहत था. बाद में मौलवी ने तत्कालीन आगरा व अवध प्रांत में घूम-घूम कर क्रांति की ज्वाला जगायी. कई इतिहासकारों ने लिखा है कि लखनऊ के अंदर क्रांति के सबसे योग्य नेता मौलवी ही थे. होम्स ने मौलवी को 'उत्तर भारत में अंग्रेजों का सबसे जबरदस्त दुश्मन बताया है. कई बार बागी सेना को पीछे हटना पड़ता, तो मौलवी उसे छापामार शैली में अंग्रेजों से भिड़ा देते. उन्होंने 15 जनवरी, 1858 को गोली से घायल होने और 21 मार्च, 1858 को लखनऊ के पतन के बाद भी शहर के केंद्र में अंग्रेजी सेना से दो-दो हाथ किये. अंग्रेज छह मील तक पीछा करके भी उनके पास नहीं फटक सके.

राहुल गांधी को प्रताड़ित कर रही ईडी, आज राजभवन कूच करेगी कांग्रेस : सूर्यकान्त धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने तीसरे तीन भी राहुल गांधी से पूछताछ की. वहीं, राहुल गांधी से लगातार हो रही पूछताछ पर कांग्रेसियों ने नाराजगी जताई है. कांग्रेस के नेता प्रवर्तन निदेशालय की इस कार्रवाई के खिलाफ देशभर में आंदोलन कर रहे हैं. वहीं, उत्तराखंड में कांग्रेस कल इस मामले को लेकर राजभवन का घेराव करने जा रही है.ये कहना है प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ लीडर सूर्यकान्त धस्माना का जिन्होंने बताया कि देहरादून में कांग्रेस पूरी एकजुटता और ताक़त के साथ इस विरोध की आवाज़ को बुलंद करेगी

उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा का कहना है कि प्रवर्तन निदेशालय जांच के नाम पर लगातार राहुल गांधी को प्रताड़ित कर रहे हैं. जब कांग्रेस के नेता दिल्ली में इसका विरोध कर रहे हैं तो उनके साथ अत्याचार किया है. दिल्ली पुलिस शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं पर लाठीचार्ज कर रही है. इसके साथ ही एआईसीसी दिल्ली को सील किया गया है, जिसके विरोध में आज 11.00 बजे कांग्रेस राजभवन का घेराव करने जा रही है. वहीं, 17 जून को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी.

उत्तराखंड में डेढ़ माह बाद कोरोना संक्रमित मरीज की हुई मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

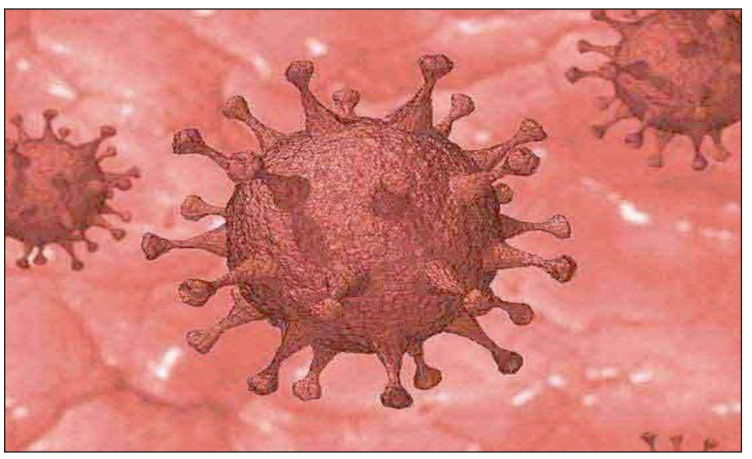

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार को डेढ़ माह बाद कोरोना से एक कोरोना संक्रमित की मौत हुई है। कोरोना संक्रमित ने एम्स ऋषिकेश में इलाज के दौरान दम तोड़ा। वहीं, कोरोना संक्रमण के 26 नए मामले मिले हैं।

आज बुधवार को 0 मरीज स्वस्थ हुए हैं। कोरोना संक्रमण दर 1.70 प्रतिशत रही है। प्रदेश में फिलवक्त कोरोना के 132 सक्रिय मामले हैं। देहरादून में सबसे अधिक 84 सक्रिय मरीज हैं। चम्पावत व पिथौरागढ़ में कोरोना का कोई सक्रिय मामला नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, निजी व सरकारी लैब से 1532 सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। जिनमें 1506 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है। देहरादून में सबसे अधिक 12 लोग संक्रमित मिले हैं।

इसके अलावा नैनीताल में पांच, चमोली व उत्तरकाशी में तीन-तीन, हरिद्वार, अल्मोड़ा व बागेश्वर में एक-एक व्यक्ति संक्रमित पाया गया। चम्पावत, पौड़ी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी व ऊधम सिंह नगर में कोरोना संक्रमण का नया मामला नहीं मिला है। इधर, विभिन्न जिलों से 1579 सैंपल कोरोना जांच को भेजे गए हैं। प्रदेश में कोरोना के 93084 मामले आए हैं। इनमें से 89388 (96.03 प्रतिशत) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। कोरोना संक्रमण से इस साल 276 मरीजों की मौत भी हुई है।

नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग ने चंद्रमणि खालसा क्षेत्र में डेंगू एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए बुधवार शाम संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान स्थानीय लोग के साथ बैठक कर बचाव की जानकारी दी गई। साथ ही जागरूकता के लिए पंफ्लेट भी बांटे गए। टीम में सहायक नगर आयुक्त एसपी जोशी, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण अधिकारी सुभाष जोशी, पवन थापा, अमित काला ,सौरभ भंडारी और आशीष किमोठी आदि शामिल थे।

पुलिस भर्ती में युवाओं ने दिखाया दम-खम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी : उत्तराखंड पुलिस आरक्षी की शारीरिक मानक दक्षता परीक्षा शुरू हो गई है। खेल विभाग के मनेरा स्टेडियम में बुधवार को पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक की देखरेख में भर्ती परीक्षा शुरू हुई। इस दौरान उत्तरकाशी के पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने भी भर्ती स्थल का निरीक्षण किया। बुधवार की शाम वर्षा होने के कारण दौड़ की परीक्षा नहीं हो पायी। जो अब वीरवार को होगी।

पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने निरीक्षण के दौरान शारीरिक मानक दक्षता परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही परीक्षा में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। भर्ती प्रक्रिया में लगे सभी पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया में दी गई जिम्मेदारियों का ईमानदारी-पूर्वक निर्वहन करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा की सभी स्पर्धाओं की फोटो व वीडियोग्राफी करायी जा रही है। फिजीकल परीक्षा में युवा जोश व उत्साह के साथ प्रतिभाग कर रहे हैं।

बुधवार को शारीरिक दक्षता व मानक परीक्षा में 500 अभ्यर्थियों (पुरुष) ने प्रतिभाग करना था, जिसमें कुल 337 अभ्यर्थी उपस्थित रहें। परीक्षा में हाइट व चेस्ट में 23, क्रिकेट बाल थ्रो में 24, लंबी कूद में 34, चिनअप में दो तथा दंडबैठक में तीन अभ्यर्थी बाहर हुए। जबकि एक अभ्यर्थी को तीन इवेंट के बाद मेडिकल दिया गया।

गोपेश्वर : उत्तराखंड पुलिस, पीएसी एवं फायरमैन के आरक्षी (महिला, पुरुष) भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा में 500 में से 330 अभ्यार्थियों ने शारीरिक दक्षता में प्रतिभाग किया। पुलिस मैदान गोपेश्वर में आयोजित पुलिस भर्ती प्रक्रिया में बुधवार को पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार चौहान के नेतृत्व में जनपद चमोली में शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

अग्निपथ पर चलेंगे अग्निवीर गृहमंत्री अमित शाह का बड़ा एलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं को गौरवपूर्ण भविष्य तथा सशस्त्र बलों से जुड़कर राष्ट्रसेवा का अवसर देने के लिए'अग्निपथ योजना'की घोषणा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है। इसी के साथ ही शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने इस योजना में 4 साल पूरा करने वाले अग्निवीरों को CAPFs और असम राइफल्स में भर्ती में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय की ओर से कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस निर्णय से 'अग्निपथ योजना' से प्रशिक्षित युवा आगे भी देश की सेवा और सुरक्षा में अपना योगदान दे पाएंगे। इस निर्णय पर विस्तृत योजना बनाने का काम शुरू हो गया है।

HM अमित भाई शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अग्निपथ योजना' से प्रशिक्षित युवा आगे भी देश की सेवा और सुरक्षा में अपना योगदान दे पाएंगे। वहीं इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा था कि बहुत से मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने यह इच्छा व्यक्त की है कि उनके मंत्रालयों, कॉरपोरेशनों में अगर कोई भर्ती आती है जो अग्निवीर को इसमें प्राथमिकता दी जाएगी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को ही घोषणा कर दी कि अग्निवीर योजना के तहत सेना में काम करने वाले जवानों को मध्य प्रदेश पुलिस में प्राथमिकता दी जाएगी।

अग्निपथ योजना

राष्ट्र के समक्ष पेश आने वाली भावी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती प्रक्रिया में मंगलवार को आमूलचूल परिवर्तन करते हुए, थलसेना, नौसेना और वायुसेना में सैनिकों की भर्ती संबंधी 'अग्निपथ' नामक योजना की घोषणा की, जिसके तहत सैनिकों की भर्ती चार साल के लिए की जाएगी। अधिक योग्य और युवा सैनिकों को भर्ती करने के लिए दशकों पुरानी चयन प्रक्रिया में बड़े बदलाव के संबंध में रक्षा मंत्रालय ने बताया कि योजना के तहत तीनों सेनाओं में इस साल 46,000 सैनिक भर्ती किए जाएंगे और चयन के लिए पात्रता आयु 17.5 साल से 21 साल के बीच होगी और इन्हें 'अग्निवीर' नाम दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने जम्मू कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मतदाता सूची का मसौदा 31 अगस्त तक तैयार कर लिया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे ने समीक्षा करते हुए जम्मू कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) को विधानसभा क्षेत्रों की नई सीमाओं का नक्शा तैयार करने का निर्देश दिया। केंद्र शासित प्रदेश के प्रथम विधानसभा चुनाव से पूर्व मतदाता सूची का पुनरीक्षण करना जरूरी है।

मतदाता सूची में सुधार के लिए अधिकारियों की नियुक्ति के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं। बूथ स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति और जरूरी प्रशिक्षण पांच जुलाई तक दिया जाएगा। मतदान केंद्रों का सत्यापन 25 जुलाई तक किया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि मतदाता सूची का मसौदा 31 अगस्त तक तैयार कर लिया जाएगा। क्रम संख्या को नए सिरे से निर्धारित करना, परिसीमन के बाद मतदान केंद्रों का निर्धारण और नामकरण 30 जून से पूर्व किया जाएगा।

साथ ही जिन गांवों में नए मतदान केंद्र बनाने की जरूरत है, वहां मतदान केंद्रों के लिए स्थान का चयन करना होगा। परिसीमन के बाद, पूर्व के कुछ मतदान केंद्र एक से अधिक नए विधानसभा क्षेत्रों के तहत आ सकते हैं। उन्हें दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित करना पड़ सकता है।

तीन राज्यों में एनआईए की छापेमारी, पकड़े गए अवैध बांग्लादेशी, युवाओं को जिहाद के लिए उकसाने का आरोप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में छह अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बताया गया है कि मध्य प्रदेश के भोपाल में चार स्थानों पर और बिहार के कटिहार और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक-एक स्थान पर छापेमारी की गई। एनआईए के प्रवक्ता ने कहा कि भोपाल के एक घर से तीन अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों सहित जेएमबी के छह सक्रिय कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

प्रवक्ता ने कहा कि उन पर जेएमबी की विचारधारा के प्रचार और संवेदनशील युवाओं को भारत के खिलाफ जिहाद के लिए प्रेरित करने में शामिल होने का संदेह है। शुरू में मार्च में भोपाल में मामला दर्ज किया गया था। अप्रैल में एनआईए ने फिर से मामला दर्ज कर जांच अपने हाथ में ले ली। एनआईए ने कहा कि छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड, बैंक खातों का विवरण, अपराध में इस्तेमाल होने वाले दस्तावेज, जिहादी साहित्य और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं। मामले की जांच जारी है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा